अनुसंधान – २००१ – १८

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल

निवेदन

अनुक्रम

विभाग-१

The Gandhari Prakrit Version of the Rhinoceros Sutra – J. C. Wright---------------------------1
Merutunga and Vikrama – A. K. Warder --- 16
Two Peculiar Usages of the Particle Kira/Kiri in Apabhramsa – Herman Tieken ---------- 18
Retention of Medial Consonants in the Grammar of Ardhamagahi by Hermann Jacobi – K. R. Chandra --- 23
Ajaya-, ajeya- and ajayya – M. A. Mehendale--- 27
On Restoring Corrupt Prakrit Verses – V. M. Kulkarni --- 31
Some addenda et Corrigenda to the Glossary of Selected words of Ernst leumann's Die Avasyaka Erzalungen – Thomas Oberlies ---------------------------------- 37
An Early Example of a Late Middle Indo-Aryan Post Position ? – Paul Dundas----------- 41
Hanumannatakam : Date and place of its Origin – Vijaya Pandya ---------------------------- 46
The two rare icons of Parshwa Yaksha – Dr. Balaji Ganorkar --------------------------------- 55

अश्वधाटी काव्य – नीलांजना शाह --- ५८

जयवंतसूरिकृत सीमंधरजिन-चंद्राउला स्तवन – जयंत कोठारी -------------------------------- ७२

मध्यकालीन गुजराती साहित्यना इतिहास लेखननुं स्वरूप – बलवंत जानी --------------------- ९१

श्रीपार्श्वनाथ गीत – मुनि जिनसेन विजय --- १०२

श्रीगौतमस्वामीनी सज्झाय – मुनि धर्मकीर्ति विजय --- १०३

सिद्धशिला – मधुसूदन ढांकी -- १०४

जयवंतसूरिकृत श्रीसीमंधरस्वामी लेख-पत्र – प्रद्युम्नसूरि -------------------------------------- १०९

श्रीसिद्धाचलतीर्थ-चैत्यपरिपाटी – कर्ता-मालशी नागजी, सं. विजयशीलचन्द्रसूरि ---------------- ११७

आचार्य हरिभद्र अने तेमनो योगदृष्टिसमुच्चय ग्रंथ – नगीन जे. शाह -------------------------- १८८

टूंक नोंध – विजयशीलचन्द्रसूरि --- १९४

पत्रचर्चा – (१) सारस्वतोल्लासकाव्यना कर्ता - जयंत कोठारी -------------------------------- २००

(२) विहंगावलोकन – मुनि भुवनचन्द्र -- २०२

विभाग-२ – अंजलि लेखो

नखशिख विद्युपुरुष – मुनि भुवनचन्द्र -- २०६

एमां बे वात छे – हसु याज्ञिक-- २०८

विरल विद्यापुरुष – कुमारपाल देसाई --- २२४

विद्यानो मोजभर्यो व्यासंग – जयंत कोठारी --- २२९

अगणित पंखीओना आश्रयरूप एक वडलो – जयंत कोठारी ------------------------------------ २२९

अनेक दुर्घटनाओमांथी सर्जायेल घटना -- २४७

वीसमी सदीना हेमचन्द्राचार्य – सुरेश दलाल -- २६३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

हरिवल्लभ भायाणीनुं अवसान – संकलित -- २६६
श्री भायाणीसाहेबनी चिरविदाय – विजयशीलचन्द्रसूरि -- २७०
श्री जयंत कोठारीनी पण चिरविदाय – विजयशीलचन्द्रसूरि ----------------------------------- २७१
जयंत कोठारीना २ पत्रो --- २७२
डॉ. ह. भायाणीनां प्रकाशित मुख्य पुस्तको (१९९३ पर्यंत) – संकलित --------------------------- २७५
केटलीक रसप्रद माहिती – संकलित -- २७६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org